भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2589
बुधवार, 07 अगस्त, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

पृथ्वी विज्ञान योजना की वर्तमान स्थिति

†2589. श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत :

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पृथ्वी योजना की वर्तमान स्थिति के संबंध में वर्तमान स्थिति क्या है और उक्त योजना के अंतर्गत कौन-कौन सी विशिष्ट परियोजनाएं शुरू की गई हैं;
(ख) क्या सरकार पृथ्वी योजना के उद्देश्यों, विशेषकर जलवायु पूर्वानुमान की क्षमताओं को बढ़ाने और आपदा से निपटने की तैयारी को सुदृढ़ करने को सुनिश्चित करने की योजना बना रही है; और
(ग) सरकार द्वारा आवंटित निधि के प्रभावी उपयोग और उक्त योजना के अंतर्गत परियोजनाओं के समय पर निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) पृथ्वी योजना के अंतर्गत पांच सतत उप-योजनाएं शामिल हैं,नामतः :-

(i) वायुमंडल और जलवायु अनुसंधान-मॉडलिंग प्रेक्षण प्रणाली और सेवाएं (अक्रॉस)।
(ii) महासागर सेवाएं, मॉडलिंग अनुप्रयोग, संसाधन और प्रौद्योगिकी (ओ-स्मार्ट)।
(iii) ध्रुवीय विज्ञान और हिमांक मंडल अनुसंधान (पेसर)।
(iv) भूकंप विज्ञान और भूविज्ञान (सेज)।
(v) अनुसंधान, शिक्षा, प्रशिक्षण और आउटरीच (रीचआउट)।

इन उप-योजनाओं के तहत विभिन्न अनुसंधान एवं विकास और प्रचालन (सेवाएं) गतिविधियां पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत संबंधित संस्थानों के संयुक्त प्रयासों के माध्यम से एकीकृत तरीके से की जा रही हैं।

(ख) पृथ्वी प्रणाली और परिवर्तन के महत्वपूर्ण संकेतों को रिकॉर्ड करने के लिए वायुमंडल, महासागर, भूमंडल, हिमांक मंडल और ठोस पृथ्वी के दीर्घकालिक प्रेक्षण किए जाते हैं, जो जलवायु पूर्वानुमान की क्षमताओं को बढ़ाने और आपदा से जुड़ी तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में पूर्व आवश्यकताएं हैं।

(ग) पृथ्वी योजना के तहत आबंटित निधियों के प्रभावी उपयोग और परियोजनाओं के समय पर निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की अध्यक्षता में मासिक व्यय समीक्षा बैठकें और परियोजना गतिविधियों की छमाही समीक्षा आयोजित की जाती हैं।

*****